>

Title: Regarding reported intrusion into the Indian territory by People's Liberation Army of China.

सभापति महोदया : मैंने मुलायम सिंह जी का नाम पुकारा है और यह सदन की परंपरा रही है कि जब कोई नेता बोलते हैं तो हम लोग उन्हें सुनते हैं। आप कार्यवाही नहीं चलने देना चाहते हैं। आप सदन में सुनना नहीं चाहते हैं। आप अपने स्थानों पर जाइए। उन्हें सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हम भी इन्हें कभी बोलने नहीं देंगे। ...(व्यवधान)

सभापति जी, हम आपके सामने देश की सीमा के सवाल को रखना चाहते हैं। वर्ष 1962 के हमले में और उस से पहले वर्ष 1952 में डॉ. राम मनोहर लोहिया ने सावधान किया था कि चीन हमले की तैयारी कर रहा है।...(व्यवधान) जब यहां चाउ-एन-लाई आए थे तभी सोशलिस्ट पार्टी ने कहा था कि ये हमले की तैयारी कर रहे हैं और आप चाउ-एन-लाई का स्वागत कर रहे हैं। उस समय नेहरू जी और सभी ने उन का भारी स्वागत किया। जब वे यहां से लौट कर गए तो उस के बाद वर्ष 1962 में हमला किया। चीन ने एक लाख वर्ग किलो मीटर तक कब्जा कर लिया।...(व्यवधान) यहां सदन के अन्दर यह फैसला हुआ कि जब तक हमारी एक लाख वर्ग किलो मीटर जमीन से चीन नहीं हटेगा तब तक चीन से हम कोई बात नहीं करेंगे। यह कोई और नहीं, बल्कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने सदन के अंदर कहा था कि हम चीन से तब तक कोई बात नहीं करेंगे जब तक चीन का हमारी एक लाख वर्ग किलो मीटर पर जो कब्जा है, उसे वापस न कर दिया जाए।...(व्यवधान) पर, ये फिर भी चीन से बातचीत करते रहे, चीन में जाते रहे। हमारे मिनिस्टर वहां जा कर चीन की तारीफ़ कर रहे हैं और कभी यह सवाल नहीं उठाया।...(व्यवधान) अब चीन ने फिर हमला कर दिया। हम आप से लगातार आठ दिन से बोल रहे हैं कि चीन कब्जा कर रहा है, करने वाला है। इस से पहले मैं लगातार आठ सालों से कह रहा हूं कि चीन पूरी तैयारी कर चुका है। वह सीमा पर कब्जा करेगा लेकिन सरकार ने नहीं सुना।...(व्यवधान) रक्षा मंत्री से, प्रधानमंत्री से मैंने खुद कहा। यहां हम ने कांग्रेस अध्यक्षा को भी इशारा किया कि आप कम से कम इस में हस्तक्षेप करें लेकिन देश के सवाल पर हमारी बात को नहीं माना गया। मुझे अफ़सोस, दुख इस बात का है कि...(व्यवधान) ऐसे देश के गंभीर मामले में चेयर हस्तक्षेप करती हैं। अब जो भी हो, आप क्यों नहीं कर पाए, हम नहीं कह सकते।...(व्यवधान) हम चेयर पर कोई भी टिप्पणी नहीं करेंगे लेकिन चेयर की भी जिम्मेदारी थी कि जब हम यह कह रहे हैं कि चीन हमला कर रहा है तो हस्तक्षेप करके सरकार को कह देना चाहिए।...(व्यवधान) अब चीन ने कब्जा कर लिया है। वह सीमा में 19 किलो मीटर अंदर घुस आया। उस ने अपनी सेना और टैंक और टेन्ट लगा दिए हैं और आप यहां से चीन भेज रहे हैं मंत्री को।...(व्यवधान) मंत्री देश के ...* जा रहे हैं।...(व्यवधान) चीन नहीं हटेगा। हमारी सेना क़मजोर नहीं है - रक्षा समिति की हर हफ्ते होने वाली हर मीटिंग में सेनापति ने कहा है।...(व्यवधान) मैंने पूछा, पता लगाया तो डिफेंस ने सेना के बाक़ायदा सेना के जो भी चीफ गए हों, जो भी हों, उन्होंने हर वक्त कमेटी की मीटिंग में प्रधानमंत्री के सामने सवाल उठाया। हम रहे हैं और शरद पवार जी भी रक्षा मंत्री रहे हैं। हर हफ्ते मीटिंग होती है, उस मीटिंग में सवाल उठा, मुझे खबर मिली है। ...(व्यवधान) लेकिन उसके बाद भी प्रधान मंत्री जी ने कोई भी...(व्यवधान) सवाल गंभीरता से नहीं उठाया। ...(व्यवधान) चीन में मंत्री जी गए, वहां उन्होंने उनकी बहुत तारीफ की। ...(व्यवधान) मैंने उनसे कहा कि आप वहां जाकर उनकी तारीफ करके आए हैं। ...(व्यवधान) वह हम पर कब्जा कर रहा है और आप चीन की तारीफ करके आए हैं। ...(व्यवधान) यह हालत है कि सीमा पर कब्जा हो रहा है और मंत्री जी चीन में जाकर उनकी तारीफ करते हैं। ...(व्यवधान) चीन ने कब्जा कर दिया, 19 किलोमीटर अंदर घुस आया। ...(व्यवधान) सरकार मुझे बताए, हमारी सेना तैयार थी और आज भी तैयार है।...(व्यवधान) अभी आर्मी चीफ का बयान आ गया कि मैं खदेड़ दूंगा, यहां आकर बताएं कि सरकार ने सेना को निर्देश क्यों नहीं दिए और क्या दिए?...(व्यवधान) जब आर्मी चीफ बोल रहा है, वह कह रहा है कि हम इन चीनियों को खदेड़ देंगे। सरकार, रक्षा मंत्री और प्रधान मंत्री जी मुझे बताएं कि क्या वजह है? क्या चीन को जमीन देना चाहते हो?...(व्यवधान) उसके बाद देश पर बहुत बड़ा खतरा पैदा हो गया है।...(व्यवधान)

सभापति महोदया : अब आप कंक्लुड कीजिए।

श्री मुलायम सिंह यादव : पूरा चीन अगर किसी को दुश्मन मानता है,...(व्यवधान) मैंने कहा कि चीन हमारे हिन्दुस्तान के खिलाफ है और हमारे हिन्दुस्तान का सबसे बड़ा दुश्मन कोई है तो वह चीन है और चीन से खतरा है, पाकिस्तान से कोई खतरा नहीं है।...(व्यवधान) उसके बाद भी हमारी बात नहीं सुनी गई। ...(व्यवधान)

सभापति महोदया, हम आपके माध्यम से कहेंगे, रक्षा मंत्री जी तत्काल यहां आकर बयान दें। हम उनकी बात सुनना चाहेंगे। रक्षा मंत्री जी से हम रोज यहां कहते रहे।...(व्यवधान) यहां पर बुला-बुला कर कहा, प्रधान मंत्री जी अपना बयान दें। ...(व्यवधान) हमने बकायदा उनके चेम्बर में जाकर भी कहा है, तब भी हमारी बात को नहीं सुना गया। ...(व्यवधान) क्या वजह है?...(व्यवधान)

MADAM CHAIRMAN: Hon. Member, please conclude.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमारा आरोप है कि इतनी कमजोर, डरपोक और कायर सरकार कभी नहीं आई।...(व्यवधान) जो कम से कम यह नहीं कर सकती, हमारी फौज तैयार खड़ी है। ...(व्यवधान) आर्मी चीफ कह रहा है कि मैं खदेड़ दूंगा, फिर क्या वजह है? सेना स्वीकार कर चुकी है, सेना का मनोबल तोड़ रहे हैं। हमारी बहादुर सेना है। ...(व्यवधान) चीन इस तरह से हमला नहीं कर सकता था। ...(व्यवधान) हमारी सेना को इजाजत नहीं दी जा रही है।...(व्यवधान) आर्मी चीफ इजाजत मांग रहा है, हम खदेड़ देंगे। यह सरकार बताए, क्या वजह है? मैं कहना नहीं चाहता था, सेना में हमारी बहुत जानकारी है, आपकी भी जानकारी होगी। ...(व्यवधान) यहां आकर बताते हैं, दुखी हैं, हम खदेड़ देंगे।...(व्यवधान)

MADAM CHAIRMAN: Hon. Member, please conclude now.

...(*Interruptions*)

श्री मुलायम सिंह यादव : हिन्दुस्तान की सीमा पर जो कब्जा हो रहा है, इससे ज्यादा शर्म और बेइज्जती हिन्दुस्तान की कभी नहीं हुई थी।...(व्यवधान) या तो 1962 में हुई है या अब आकर हुई है।...(व्यवधान) सारी दुनिया के अंदर हमारा सम्मान गिरा है, सम्मान नहीं रहा है। ...(व्यवधान) सबसे कमजोर, कायर एवं सबसे

निकम्मी यहां की सरकार कही जा रही है।...(व्यवधान) लेकिन तब भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। ...(व्यवधान) हम ये जानते हैं कि सीमा के सवाल पर, देश की रक्षा के सवाल पर पूरा सदन एक रहेगा। फिर क्या वजह है? ...(व्यवधान) मैं लगातार इतने समय से बोल रहा हूं?...(व्यवधान) प्रधान मंत्री जी एवं रक्षा मंत्री जी ने, किसी ने हमें क्यों नहीं बुलाया? ...(व्यवधान) चेयर ने क्यों नहीं कहा, कि इनको बुलाइए, इनसे बात कीजिए। चेयर ने भी मेरा साथ नहीं दिया। ...(व्यवधान) इस बात का हम आरोप नहीं कर रहे, मैं दुखी होकर कह रहा हूं कि इस चेयर ने भी साथ नहीं दिया। ऐसे मामले में चेयर हस्तक्षेप करती है तो सरकार को जवाब देना पड़ता है। इसलिए आज हम कहना चाहते हैं कि सरकार जवाब दे और तत्काल चीन की सेना को वहां से हटाए। ...(व्यवधान) उनको आदेश दें।...(व्यवधान) युद्ध हो जाए तो हो जाए।...(व्यवधान) युद्ध में हमारी सेना कमजोर नहीं है। ...(व्यवधान) इसलिए मेरी अपील है, सभापति जी, आप हस्तक्षेप करिए। ...(व्यवधान) सरकार इस पर बयान दे।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: अन्य माननीय सदस्य भी बोलेंगे।

श्री योगी आदित्यनाथ, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): सभापति महोदया, हाउस आर्डर में नहीं है, पहले हाउस आर्डर में करिए।...(व्यवधान)

सभापति महोदया: मुलायम सिंह जी भी ऐसे ही बोले थे, आप भी बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदया: आपको नहीं बोलना है तो कोई बात नहीं, मैं दूसरे माननीय सदस्य को बुलाती हूं।

â€¦(व्यवधान)

योगी आदित्यनाथ : महोदया, हाउस ऑर्डर में नहीं है।...(व्यवधान) Madam Chairman, the House is not in order. ...(*Interruptions*)

MADAM CHAIRMAN : Now, Shri Bhartruhari Mahtab.

...(*Interruptions*)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam Chairman, I stand here with utter remorse to speak about the manner in which – Shri Mulayam Singh ji has mentioned today – the intrusion by China's People's Liberation Army. ...(*Interruptions*) The Standing Committee on Defence and the Defence Ministry have already mentioned that the intrusion by Chinese troops has been to the extent of 19 kilometres into the Indian Territory. ...(*Interruptions*) In a deep incursion, Chinese troops have entered the Indian Territory in Daulat Beg Oldi and erected a tented post. A platoon strength contingent of China's People's Liberation Army has come 19 kilometres inside the Indian Territory in Burthe in DBO sector on April 15. ...(*Interruptions*) In 2010, on the request of the Home Ministry, Indo-Tibetan Border Police has been manning it. It should have been monitored by the Defence Ministry. ...(*Interruptions*)

MADAM CHAIRMAN: Please wait for a minute. You just associate yourself with the subject.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : Madam, I am speaking on the subject on which I had given a notice. ...(*Interruptions*) Since 2010 it is the Indo-Tibetan Border Police which is manning this border. It should be the Defence forces which should man that border. ...(*Interruptions*) The DBO located in the North East Ladakh is an historic camp site and is located on an ancient silk trade route. ...(*Interruptions*)

I would request and I would urge upon the Government that adequate steps be taken to drive out the Chinese forces from the Indian Territory and all attempts should be made to demarcate the Line of Actual Control. ...(*Interruptions*) Until and unless the Line of Actual Control is demarcated, such incursions and skirmishes will continue to occur. This should not happen in future. ...(*Interruptions*)

MADAM CHAIRMAN: Shri Sudip Bandyopadhyay.

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam Chairman, Shri Mulayam Singh ji has raised a very important issue today. It is most important that China is in a mood to attack India slowly for which we should take immediate steps. ...(*Interruptions*) It is an important issue. The hon. Prime Minister should come to the House and he should make us aware about the latest situation and also what is happening in the country. ...(*Interruptions*) The whole House is very much aware of this. ...(*Interruptions*) We held an All Party Leaders' Meeting just now and everybody was of the opinion that this issue should be debated with all clarity. ...(*Interruptions*) Accordingly, we have been given permission to initiate it.

...(*Interruptions*) We are putting our opinions. We share the sentiments expressed by Shri Mulayam Singh Yadav ji. The Government should give time for discussing this issue and give the reply. ...(*Interruptions*) The hon. Prime Minister should come to the House and inform us on this without further delay. ...(*Interruptions*)

MADAM CHAIRMAN: Other hon. Members may associate by sending slips at the Table of the House. बाकी लोग स्लिप भेजकर अपने आपको एसोसिएट कीजिए।

...(*Interruptions*)

MADAM CHAIRMAN: Shri Jagdambika Pal, Shri S.S. Ramasubbu, Shri Nama Nageswara Rao, Shri Viswa Mohan Kumar, Shri Baidyanath Prasad Mahato, Shhri Bhudeo Choudhary, Shri Suvendu Adhikari and Shri N. Peethambara Kurup are allowed to associate with the matter raised by Shri Mulayam Singh Yadav.

The House stands adjourned to meet again at 2 p.m.

12.19 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Fourteen

of the Clock.